सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 155 | जौनपुर, गुरूवार, 23 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

काशी-प्रयागराज समेत सात जिलों के धार्मिक क्षेत्र को योगी कैबिनेट की मंजूरी

प्रयागराज। महाकुंभ में बुधवार को हुई योगी कैबिनेट की बैठक में कई अहम प्रस्ताव पास किए गए। जिसमें प्रयागराज हेतापट्टी से सलोरी तक गंगा पर पुल, संगम के पास अरैल में भी एक सामानंतर पुल को मंजूरी दी गई है। वाराणसी, प्रयागराज समेत सात जिलों को धार्मिक क्षेत्र की मंजूरी मिली है। प्रयागराज, वाराणसी और आगरा में मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मुरादाबाद में 10 हजार करोड़ का निवेश का प्रस्ताव पास हुआ है। योगी कैबिनेट की बैठक में प्रयागराज कई अन्य अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली है, जिसमें प्रयागराज विंध्य क्षेत्र और वाराणसी विध्य क्षेत्र का गठन, गंगा एक्सप्रेस का विस्तार, मध्य प्रदेश की सीमा रीवा तक, बुंदेलखंड एक्सप्रेस का भी विस्तार रीवा तक किया जाएगा। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि षंगा एक्सप्रेसवे को चित्रकूट से जोड़ने के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। गंगा नदी पर छह लेन का पुल बनाया जा रहा है। प्रयागराज को झूसी से जोड़ने के लिए एक और चार लेन का पुल बनाया जाएगा। यमुना नदी पर एक और सिग्नेचर ब्रिज बनाया जाएगा. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज–चित्रकूट विकास क्षेत्र के साथ–साथ वाराणसी में भी नीति आयोग के सहयोग से विकास क्षेत्र विकसित किया जाएगा.। योगी कैबिनेट की बैठक में प्रयागराज कई अन्य अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली है, जिसमें प्रयागराज विंध्य क्षेत्र और वाराणसी विध्य क्षेत्र का गठन, गंगा एक्सप्रेस का विस्तार, मध्य प्रदेश की सीमा रीवा तक, बुंदेलखंड एक्सप्रेस का भी विस्तार रीवा तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ष्प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के लिए एक सतत विकास बनाने के लिए, हम एक विकास क्षेत्र विकसित करेंगे। इसके बुनियादी ढांचे के लिए, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार दिया जाएगा। गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज से मिर्जापुर, भदोही से काशी, चंदौली और गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है, ष्वाराणसी और चंदौली से, यह (गंगा) एक्सप्रेसवे सोनभद्र को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ेगा सीएम योगी ने कहा कि हेतापट्टी से सलोरी तक गंगा पर पुल बनेगा, अरैल में भी एक पुल को मंजूरी दी गई है। वाराणसी, प्रयागराज समेत सात जिलों को धार्मिक क्षेत्र की मंजूरी मिली है। प्रयागराज, वाराणसी और आगरा में मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मुरादाबाद में 10 हजार करोड़ का निवेश का प्रस्ताव पास हुआ है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज, वाराणसी और आगरा नगर निगम हैं। इन तीनों के लिए बॉन्ड जारी किए जाएंगे... पिछले एक हफ्ते में 9.25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई है प्रयागराज नगर निगम प्रयागराज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए बॉन्ड जारी करेगा ।

दिल्ली चुनाव के बीच भाजपा को एक नई घोषणा करनी पड़ रही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव के बीच भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने कहा कि पूरी दिल्ली में हमारी ऐसी हजारों बैठकें हो रही हैं। न सिर्फ उड़िया समाज के साथ बल्कि विभिन्न समाजिक वर्गों के साथ, विभिन्न पेशेवरों जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर सभी के साथ भेंट हो रही है। दिल्ली में जो आपदा थोपी हुई है, जो वादें किए थे वह उन्होंने पूरे नहीं किए। भाजपा की ताकत मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने जो भी अन्य प्रदेशों में वादे किए थे। उसे पूरा किया है। यहां भी जो वादे किए गए हैं। उसके बारे में बताने के लिए हमने यह बैठक की थी। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल को हटाएगी। भाजपा

सरकार बनाएगी। उसके बाद भाजपा समस्याओं को सुलझाएगी। बुजुर्गों के लिए हम 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा देंगे। 27 साल से यहां भाजपा की सरकार नहीं है। मैं भाजपा का सांसद हूं लेकिन विधायक और मुख्यमंत्री हमारा नहीं बना। दिल्ली की शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, पेंशन और राशन कार्ड दिल्ली सरकार का काम है। हम उसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं कि एक बार हमारी सरकार बनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये आप–दा वाले अब हर दिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि उनको रोज पराजय की नई–नई खबरें मिल रही हैं। ये इतने डरे हुए हैं कि इन्हें रोज सुबह एक नई घोषणा करनी पड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा को पीटने के आरोप में शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज

महाराष्ट्र , (एजेंसी)। ठाणे शहर के एक निजी स्कूल में छह साल की छात्रा को धातु के स्केल से पीटने के आरोप में एक पुरुष डांस टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना 15 जनवरी को ठाणे के कपूरबावड़ी इलाके में स्थित निजी स्कूल में हुई, जिसमें बच्ची घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, स्कूल ने 32 वर्षीय आरोपी डांस टीचर को वार्षिक उत्सव के कार्यक्रमों की तैयारी के लिए नियुक्त किया था। कपूरबावड़ी पुलिस थाने की निरीक्षक वैशाली गोरडे ने बताया कि नृत्य प्रस्तुति की तैयारियों के दौरान आरोपी शिक्षक ने बच्ची से पूछा कि वह एक दिन पहले स्कूल क्यों नहीं आई थी।

दक्षिणी दिल्ली में कार से 47 लाख रुपये की नकदी जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में पुलिस ने नियमित जांच के दौरान एक कार से 47 लाख रुपये की नकदी जब्त की। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वाहन को स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) ने रोका। कार को संगम विहार निवासी वसीम मलिक (24) चला रहा था। उन्होंने बताया कि कार मलिक ने खुद को स्क्रैप डीलर बताया है। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि नकदी के लिए वह आवश्यक दस्तावेज नहीं दिखा पाया, जिसके कारण अधिकारियों ने राशि जब्त कर ली। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारी पैसे के स्रोत की जांच कर रहे हैं ।

ट्रक के घाटी में गिरने से आठ लोगों की मौत, 10 घायल

कर्नाटक, (एजेंसी)। बुधवार सुबह एक ट्रक के 50 मीटर गहरी घाटी में गिर जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एम. नारायण ने बताया कि सभी पीड़ित फल विक्रेता थे और सावनूर से येल्लापुरा मेले में फल बेचने के लिए जा रहे थे। सावनूर–हुबली मार्ग पर जंगली क्षेत्र से गुजरने के दौरान यह दुर्घटना हुई। नारायण ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया,

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री दावोस में बिल गेट्स, कई वैश्विक अधिकारियों से करेंगे मुलाकात

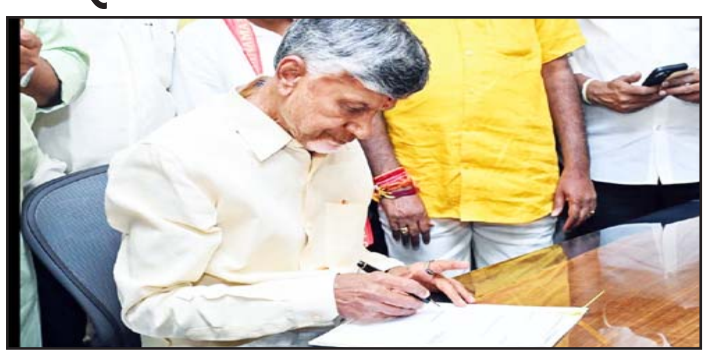

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू स्विट्जरलैंड के दावोस में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स और कई अन्य वैश्विक अधिकारियों से बुधवार को मुलाकात करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस स्की रिसॉर्ट शहर की अपनी यात्रा के तीसरे दिन मुख्यमंत्री विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इसमें कहा गया, '' यूनीलीवर, डीपी वर्ल्ड ग्रुप, पेट्रोनास, गूगल क्लाउड, पेप्सी और एस्ट्राजेनेका की मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री बिल गेट्स और डब्ल्यूईएफ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री 'ब्रांड आंध्र' को बढ़ावा देंगे और राज्य में निवेश के अवसरों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले, 'अगले पेट्रोरसायन केंद्र के निर्माण' विषय पर आयोजित गोलमेज चर्चा में नायडू ने आंध्र प्रदेश में मौजूद अपार संभावनाओं को रेखांकित किया था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' हमारा राज्य भारत के सबसे बड़े पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) का गढ़ है, जो 640 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।'' नायडू ने कहा कि विशाखापत्तनम और रामायपत्तनम में पहले से ही महत्वपूर्ण निवेश हो रहा है। यह आंध्र प्रदेश उद्योग जगत के लोगों तथा निवेशकों के बीच सहयोग करने और सफल होने के लिए एक समृद्ध परिवेश प्रदान करता है। यह निवेशकों और आंध्र प्रदेश दोनों के लिए फायदेमंद है।

जो राम को लेकर आए, उनका राज होगा दिल्ली में भाजपा ने लॉन्च किया नया कैंपेन सॉन्ग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को एक नया सॉन्ग जारी किया, जिसमें अयोध्या में राम मंदिर का जिक्र भी किया गया है। जो राम को लेकर आए, उनका राज होगा दिल्ली मेंश शीर्षक वाले इस गीत में दिल्लीवासियों के समक्ष आने वाले प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है, जैसे प्रदूषण, गंदा पेयजल, अनुचित कचरा निपटान, सीवेज की समस्या और लैंडफिल का ओवरफ्लो होना। भाजपा ने दिल्ली में डबल इंजन सरकार के नारों पर जोर देते हुए सत्ता में आने पर बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य बीमा का वादा किया है। इस गीत में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर कटाक्ष करते हुए मौजूदा सरकार की आलोचना करने के लिए ष्आपदाष और ष्चोरष जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। पार्टी ने विश्वास जताया कि दिल्ली के मतदाता आम आदमी पार्टी (आप) की जगह भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर इस गीत पोस्ट करते हुए भाजपा ने लिखा, ष्जनता ने तय कर लिया है कि 2025 में चोरों को हटाकर भाजपा को लाना है। आगे लिखा है, षदिल्ली में मोदी के किसी शेर का राज होगा। जो राम को लाए हैं, वही दिल्ली पर राज करेंगे! यह चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा का पहला गीत नहीं है। इससे पहले पार्टी ने एक और चुनावी गीत जारी किया था, श्बहाना नहीं बदलाव चाहिए, दिल्ली में भाजपा की सरकार चाहिएश, जिसे भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गाया था। इस गीत को आधिकारिक तौर पर पिछले सप्ताह रोहिणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तन रैली के दौरान लॉन्च किया गया था और 5 फरवरी को होने वाले चुनाव अभियान के तहत इसे व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पार्टी के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं

को संबोधित करने वाले हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले यह बातचीत दोपहर 1 बजे होगी। दिल्ली के सभी 256 वार्डों के 13,033 बूथों से पार्टी सदस्य इस वर्चुअल कार्यक्रम में भाग लेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मथुरा शाही ईदगाह के सर्वे को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें शाही ईदगाह के सर्वे करने को आदेश दिया गया था। मथुरा शाही ईदगाह के सर्वे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक जारी रहेगी, जिसमें मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गयी थी। दरअसल, 14 दिसंबर, 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार करते हुए परिसर का सर्वे कराने के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और 16 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाई और अब इस मामले में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच में मामले की सुनवाई हुई। पीठ ने कहा कि वह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण के खिलाफ ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई एक अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी क्योंकि सीजेआई संजीव खन्ना के मुताबिक शीर्ष अदालत में अभी तीन मुद्दे लंबित हैं। इनमें एक अंतर–न्यायालय अपील का मुद्दा (हिंदू वादियों द्वारा दायर मुकदमों के समेकन के खिलाफ), दूसरा अधिनियम (पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 को चुनौती) शामिल है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस वार्ता कर सभी घटनाओं को साझा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि अब भाजपा जब देख रही है कि वह पूरी तरह से दिल्ली में हार रही है तो वह गुंडागर्दी और गाली–गलौज पर उतर आई है और आप कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता और मारपीट की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस वार्ता कर सभी घटनाओं को साझा किया है। आतिशी ने कहा कि जब से रमेश बिधूड़ी भारतीय जनता पार्टी से कालकाजी विधानसभा में चुनाव लड़ रहे हैं, लगातार गुंडागर्दी और दहशत का माहौल भारतीय जनता पार्टी द्वारा कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में बनाया जा रहा है। विधानसभा के हर इलाके में भाजपा के कार्यकर्ता और कई लोग जो कहते हैं कि हम रमेश बिधूड़ी के भतीजे हैं, वो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। उनका कॉलर पकड़ रहे हैं। उनका पार्टी प्रचार का सामान छीनकर उसे जला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते में हुई ऐसी गुंडागर्दी की घटनाएं आप सभी के साथ साझा करना चाहूंगी। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को गिरी नगर इलाके में आम आदमी पार्टी के वार्ड अध्यक्ष अरुण चौहान और हमारी महिला विंग की टीम के साथ डोर टू डोर कैंपेन कर रहे थे। वहां पर भारतीय जनता पार्टी के राजीव भाटी, जो कहते हैं कि वह बिधूड़ी के भतीजे हैं और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी हैं, उन्होंने भाजपा का पटका भी पहना हुआ था। वह हमारे कार्यकर्ताओं के पास आए, गाली–गलौज किया, उनके हाथों से स्टीकर छीनकर उसे जलाया। उन्होंने आगे कहा, ष्इसी तरह 19 जनवरी को गोविंदपुरी गली नंबर 3 में दीप सिंह नाम की आम आदमी पार्टी की एक कार्यकर्ता हैं। उनको रात को 11रू40 पर रमेश बिधूड़ी का व्हाट्सएप पर कॉल आया। रमेश बिधूड़ी ने दीप जी को कहा कि तुम पहले भारतीय जनता पार्टी में होती थी कई साल पहले, तो वापस आ जाओ। जब उन्होंने मना किया और कहा कि हम तो आम आदमी पार्टी में हैं और आतिशी के साथ हैं, तब बिधूड़ी ने कहा कि वह आतंकवादियों की पार्टी है। 8 तारीख के बाद आतिशी जेल जाएगी और अगर तुम बाहर निकली तो तुम्हें भी अंदर करवाऊंगा।ष आतिशी ने कहा कि 19 तारीख को गोविंदपुरी गली नंबर 5 में हमारे एक कार्यकर्ता का रिश्तेदार अंकित गुप्ता दिल्ली के बाहर से आया हुआ था। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उसका पटका छीना, उसे थप्पड़ मारा और जो पत्र उसके हाथ में थे, उन्हें जला दिया। इसी तरह 20 जनवरी को नवजीवन कैंप के एस ब्लॉक में दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी की टीम ने कई बच्चों को स्टीकर चिपकाने के लिए पोस्टर चिपकाने के लिए लगाया हुआ था। जब हमारी एक कार्यकर्ता विजेता कुमारी ने इस पर आपत्ति जताई, तो वहीं पर खड़े होकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी की महिला कार्यकर्ता से गाली–गलौज की। गोविंदपुरी में और इसकी कल मैंने चुनाव आयोग से शिकायत भी की है। आतिशी ने कहा कि 21 तारीख को गिरी नगर में मानव कल्याण कैंप के सामने फिर से राजीव ने हमारे कार्यकर्ता रोशन चौहान को रोका और कहा कि भारतीय जनता पार्टी में आ जाओ। फिर उन्होंने कहा कि रमेश बिधूड़ी आपसे फोन पर बात करना चाहते हैं। राजीव ने अपने फोन से रमेश बिधूड़ी को फोन लगाया और रोशन चौहान से बात करवाई। रमेश बिधूड़ी ने उन्हें बोला कि बहुत प्रचार कर रहे

'बेटी बचाओ' के नाम पर बेटियों के साथ हो रहा है छल : खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का श्बेटी बचाओ नाराश देश की बेटियों के साथ छलावा है और इसके तहत बेटियों की सुरक्षा के लिए केंद्र से आवंटित धनराशि का प्रचार प्रसार में इस्तेमाल किया जा रहा है। खरगे ने कहा कि 'बेटी बचाओ नारा' के लिए जो राशि केंद्र सरकार से आवंटित हुई है, उसका 80 फीसदी विज्ञापनों पर खर्च किया गया और जब संसदीय समिति ने इसको पकड़ा तथा इस असलियत का खुलासा करते हुए इस पर सवाल उठाए तो आनन फानन में दूसरी मदों से पैसा समाहित कर बेटी बचाओ कार्यक्रम पर लीपा पोती करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा, "बेटी बचाओ के दस साल, मोदी जी से हमारे तीन सवाल कृश्बेटी बचाओश की जगह श्अपराधी बचाओश की नीति

भाजपा ने क्यों अपनाई। मणिपुर की महिलाओं को न्याय कब मिलेगा। हाथरस की दलित बेटी हो या उन्नाव की बेटी, या फिर हमारी चौंपियन महिला पहलवान, भाजपा ने हमेशा अपराधियों को संरक्षण क्यों दिया। दूसरा , क्यों देश में हर घंटे महिलाओं के खध्लिाफ 43 अपराध रिकॉर्ड होते हैं। हर दिन 22 अपराध ऐसे हैं जो हमारे देश के सबसे कमजोर दलित–आदिवासी वर्ग की महिलाओं और बच्चों के खध्लिाफ दर्ज होते हैं। मोदी जी लाल किले के भाषणों में कई बार महिला सुरक्षा पर बोल चुके हैं, पर कथनी और करनी में फर्क क्यों। तीसरा, क्या कारण है कि 2019 तक श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश योजना के लिए आवंटित कुल धनराशि का कध्रीब 80 प्रतिशत केवल मीडिया–विज्ञापन में खर्ध्च हुआ है।" उन्होंने कहा, "जब संसदीय स्थायी समिति ने ये तथ्य उजागर किया, तब इस योजना में इस्तेमाल किये गए ।

अस्पतालों के निर्माण में हुआ 382 करोड़ रुपये का घोटाला - अजय माकन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अजय माकन ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 382 करोड़ रुपये के बड़े भ्रष्टाचार घोटाले में शामिल है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए माकन ने दावा किया कि आप सरकार, जिसने अक्सर सीएजी (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्टों के आधार पर कांग्रेस सरकार की आलोचना की है, अब अपने कार्यकाल के तहत 14 सीएजी रिपोर्टों में गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रही है। माकन ने एक विशिष्ट सीएजी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े घोटाले का खुलासा हुआ। माकन के अनुसार, रिपोर्ट में अस्पतालों के निर्माण में अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया है, जिसमें कहा गया है कि परियोजनाओं को समय से पहले पूरा करने और पैसे बचाने के आप

के वादे के बावजूद, पिछले दशक में केवल तीन नए अस्पताल बनाए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों अस्पताल–इंदिरा गांधी अस्पताल, बुराड़ी अस्पताल और मौलाना आजाद डेंटल अस्पताल–कांग्रेस सरकार के तहत शुरू किए गए थे। श्माकन ने कहा, ष्इंदिरा गांधी अस्पताल में पांच साल की देरी हुई, बुराड़ी अस्पताल में छह साल की देरी हुई और मौलाना आजाद डेंटल अस्पताल में तीन साल की देरी हुई। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष माकन ने संवाददाताओं से कहा, ''आज मैं सबके सामने 'आप के पाप' की पहली कड़ी रखना चाहता हूं। दिल्ली में एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी इसलिए बनाई थी, ताकि वो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ सकें। उस जमाने में केजरीवाल कैग रिपोर्ट के आधार पर ही कांग्रेस पर आरोप लगाते थे।'' उन्होंने दावा किया कि इस वक्त कैग की 14 ऐसी रिपोर्ट हैं, जिसमें पूर्व की केजरीवाल सरकार के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, लेकिन अब वो रिपोर्ट सामने नहीं आ रहीं। माकन ने कहा ''ऐसे में हम केजरीवाल जी से पूछना चाहते हैं कि इस रिपोर्ट में स्वास्थ्य से जुड़े मामले में 382 करोड़ का घोटाला कैसे है?'' उन्होंने कहा, ''कैग की रिपोर्ट कहती है कि दिल्ली में पिछले 10 साल में सिर्फ तीन अस्पताल बनकर तैयार हुए।

संपादकीय

ट्रंप का टशन

यूं भी अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही समाप्त हो जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप जैसा अप्रत्याशित व अमेरिका फर्स्ट का जयकारा लगाने वाला राष्ट्रपति सत्तासीन हो, तो दुनिया सांसत में ही रहेगी। शपथ ग्रहण के बाद जिस तरह असहज करने वाले कार्यकारी आदेश जारी किए गए, ये उसी की आहट है। लगता है अमेरिका के लिये स्वर्णयुग लाने का दावा करने वाले ट्रंप को लोकतांत्रिक मूल्यों, दुनिया की सेहत और वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली बड़ी अमेरिकी मदद से हाथ पीछे खींचकर उन्होंने अपने मंसूबे जताए हैं। विश्व को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध पेरिस जलवायु समझौते से भी किनारा कर उन्होंने अपने इरादे जाहिर किए हैं। यह जानते हुए भी कि बीता साल दुनिया में अब तक का सबसे गर्म साल रहा था। यहां तक कि इन प्रभावों से पिछले दिनों लॉस एंजिल्स की भयावह आग ने अमेरिका के दरवाजे पर पिछले दिनों दस्तक दी है। वहीं दूसरी ओर तमाम आर्थिक मुश्किलों से जूझते व बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका का रुख करने वाले प्रवासी उनके लिये दुश्मन नंबर वन हैं। जिनको रोकने के लिये अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार बनाना उनका महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। वे लाखों अवैध प्रवासियों को अमेरिका से खदेड़ने की बात बार–बार कहते हैं। वहीं अमेरिका फर्स्ट की नीति के चलते वे चीन समेत अन्य विकासशील देशों पर अंधाधुंध टैरिफ लगाकर मुनाफे का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में झुकाने पर अड़े हैं। यहां तक कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को चेताया है कि यदि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा चलन में लाने का प्रयास किया गया तो वे भारत,रूस व चीन आदि पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। विशेष रूप से चीन उनके निशाने पर है, जो अमेरिका के नंबर एक दावे को चुनौती देने की क्षमता रखता है। दुनिया के तमाम देशों को उनके बड़बोले बयानों के मद्देनजर मुश्किल समय हेतु तैयार रहना चाहिए। दरअसल, केवल विकासशील व तीसरी दुनिया के देश ही नहीं, बल्कि ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा के बयानों को लेकर यूरोपीय देशों में ट्रंप को लेकर खासी नाराजगी नजर आ रही है। पनामा नहर का प्रबंधन हासिल करने के बयानों पर भी तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कभी वे कनाडा को अमेरिका में शामिल करने के दावे करते हैं। आते ही कनाडा पर टैरिफ बढ़ाकर उन्होंने अपने मंसूबे जाहिर किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में महामारी के प्रभावों से उबरते हुए तमाम बीमारियों से जूझते विश्व को ट्रंप ने बड़ा झटका दिया है। मानवता के कल्याण को समर्पित डब्ल्यूएचओ की आर्थिक मदद बंद करने से विकासशील व गरीब मुल्कों का स्वास्थ्य तंत्र अब भगवान भरोसे रह जाएगा। यदि विश्व में फिर किसी महामारी की दस्तक होती है तो पूरी दुनिया में स्थितियां गंभीर होंगी। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में यूं पूंजीवादी सोच व नीतियों का वर्चस्व बेहद चिंता की बात है। जिस बात की चिंता पिछले दिनों निवर्तमान राष्ट्रपाति जो बाइडेन भी जता चुके हैं। लेकिन उग्र राष्ट्रवाद के खुमार में डूबे अमेरिकी कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं। पर्दे के पीछे 'ट्रंप उदय' के पीछे दुनिया के सबसे अमीर पूंजीपतियों में शुमार एलन मस्क की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के प्रबल पैरोकार ट्रंप को दुनिया के सामाजिक, आर्थिक व सेहत के सरोकारों से कुछ भी लेना–देना नहीं है। कमोबेश यही स्थितियां अमेरिका की विदेश नीति में भी उजागर होंगी। फिलहाल, इस्राइल–हमास संघर्ष थमता दिख रहा है, लेकिन ये कब तक थमा रहता है, कहना कठिन है। जाते–जाते संघर्ष विराम का श्रेय लेने की होड़ में जो बाइडेन इस्राइल–हमास संघर्ष को फौरी तौर पर रोक तो गए हैं,लेकिन इसके लंबे समय तक थमे रहने के आसार कम ही हैं। वहीं ट्रंप रूस–यूक्रेन युद्ध को भी रुकवाने की बात कर रहे हैं,लेकिन वे अपने यूरोपीय सहयोगियों को नाराज करके इसमें कितना कामयाब होते हैं, ये भविष्य के गर्भ में निहित है।

वाहियात लड़ाई वाला महत्वपूर्ण चुनाव

अरविन्द मोहन

पुरबिया वोट के मसले पर भाजपा शुरू से बहुत संवेदनशील रही है लेकिन उसने पुरबिया लोगों के लिए कुछ किया नहीं है। संवेदनशीलता की हालत यह है कि कहीं बाहर से लाकर मनोज तिवारी को सर्वेसर्वा बना दिया और इस बार उनका टिकट रिपीट भी किया लेकिन ये सारे फैसले भाजपा के मूल चरित्र और आधार से इतना उलट है। दिल्ली को सबसे अच्छी तरह जानने और दिल्ली विधान सभा चुनाव को काफी करीब से जानने के आधार पर कहा जा सकता है कि देश की राजनीति में अपने कद से काफी बड़ा स्थान रखने के बावजूद इतना वाहियात चुनाव प्रचार कहीं नहीं होता। बड़े मुद्दे बताते हुए दिल्ली राज्य सरकार के अधिकार और उसकी सीमाओं की चर्चा भी हो सकती है लेकिन यहां दिल्ली का यातायात (खासकर जाम की समस्या), दमघोंटू प्रदूषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर हर मामले में कई–कई स्तर का साफ बंटवारा (और हर दल के नेता और अधिकारियों के एक अलग ही स्तर पर जीने), संसाधनों के दुरुपयोग (जिसमें सबसे ज्यादा नेताओं के प्रचार का खर्च अखरता है), गंदगी के साम्राज्य, अपराधों, की भरमार, बेतहाशा शराबखोरी और महंगाई–बेरोजगारी चुनावी मुद्दा बनते ही नहीं। सत्ता के साथ समृद्धि का केंद्र बनाकर दिल्ली जिस तरह दूरदराज के गरीब इलाकों के बेरोजगार और बीमार लोगों को बसने और इलाज के लिए आकर्षित करती है उसमें यहां कोई व्यवस्थित नीति बने यह चर्चा सिरे से गायब है– जबकि पुरबिया प्रेम अचानक सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। उसमें जरा सी चूक या मन के तह में बैठे पुरबिया द्वेष के बाहर आते ही बवाल मच जाता है–भाजपा के एक नामी प्रवक्ता तो श्झा जीश को श्झान्टूजीश कहकर शहीद भी हो चुके हैं। चुनाव के समय अचानक पुरबिया समाज के महत्वपूर्ण होने के मसले की चर्चा से पहले यह देखना जरूरी है कि जैसे ही कोई गंभीर मसला उठता है दोनों प्रमुख पक्ष एक दूसरे को दोषी बताने का नाटक चलाकर चुप्पी साध लेते है। भाजपा शिक्षा का रोना रोएगी तो आप वाले प्रिंसिपल और अध्यापकों की नियुक्ति की फाइल लाट साहब द्वारा रोकने की बात करेगी। अदालत पेड़ कटवाने पर उप राज्यपाल को दोषी बताते हैं तब भी आप के नेताओं को उस पर दबाव बनाने की नहीं सूझती। जबकि वे लगभग रोज उनकी दखलंदाजी की या अधिकारियों द्वारा उनका निर्देश न मानने की शिकायत करते हैं। इस बार तो शक्तियों के बंटवारे का सवाल उठा ही नहीं वरना अभी तक दिल्ली चुनाव में केंद्र बनाम राज्य एक मुद्दा रहा करता था। भाजपा झुग्गी झोपड़ी वालों को मकान देने का आप का वायदा पूरा न होने का आरोप लगाएगी तो आप वाले डीडीए से जमीन न मिलने का बहाना ढूंढ लेते हैं। दंगा, अपराध, प्रदूषण, यमुना सफाई, गंदगी, कूड़े का पहाड़ जैसे हर मुद्दे पर यही खेल चलता है और बात आई गई हो रही है और यह अखरता ज्यादा है क्योंकि चौथी बार आप और भाजपा आमने सामने है तथा सारा जोर भी लगा है । पर मुद्दों के मामले में श्खेलश और बिगड़ा है।

सत्ता बदलते ही क्रिप्टो करेंसी का ट्रंप कार्ड

पुष्परंजन

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को दुनिया की 'बिटकॉइन महाशक्ति' बनाएंगे। बिटकॉइन भी वही सबसे विश्वसनीय, जिसे ट्रंप कुनबे ने लॉन्च किया हो। 'ट्रम्प मेमेकॉइन' के लॉन्च ने मुद्रा उद्योग के कई पावर ब्रोकर्स को चौंका रखा है। रविवार देर रात ट्रम्प परिवार ने दूसरा नया क्रिप्टो टोकन लॉन्च किया। इस टोकन का नाम है, 'डॉलर मेलानिया'। रविवार दोपहर तक बाजार में ट्रंप टोकन का कुल कारोबारी मूल्य लगभग 13 बिलियन डॉलर था, जो शपथ के सिर्फ दो दिनों के भीतर 29 बिलियन डॉलर में बदल चुका था। डेटा ट्रैकर, 'कॉइन गेक्को' के अनुसार, 'जारी किए गए 200 मिलियन टोकन में से प्रत्येक का मार्केट वैल्यू 64 डॉलर है।' क्रिप्टो मार्केट में ऐसी तेजी बरकरार रही, तो ट्रंप को दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक बना देगी। क्रिप्टो कॉइन के कारोबार शुरू होने से पहले, फोर्ब्स ने ट्रंप की कुल संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर बताई थी। 'ट्रुथ सोशल' एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जिसका स्वामित्व 'ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप' के पास है। यह प्रचार का कमाल है, कि क्रिप्टो में निवेश करने वाले लोगों को 'ट्रुथ सोशल' पर भरोसा होने लगा है। लेकिन, नए उद्यम से होने वाले हितों के टकराव को लेकर कई सवाल भी उठे हैं, कि क्या ट्रंप ने अपनी ताकत का दुरुपयोग अभी से शुरू कर दिया है? ट्रम्प ने शुक्रवार रात को नए टोकन, 'डॉलर ट्रम्प' के लॉन्च की घोषणा की, जब सैकड़ों लोग व्हाइट हाउस से कुछ ही दूर क्रिप्टो–प्रेरित उद्घाटन समारोह के लिए एकत्र हुए। इस वेंचर को ट्रंप भक्तों ने इस संकेत के रूप में सराहा, कि डिजिटल मुद्राएं अब संयुक्त राज्य अमेरिका की मुख्यधारा में आ रही हैं। तो क्या ये डॉलर को भी रिप्लेस करेंगे? लंबे समय से क्रिप्टो निवेश में लगे रहे लोगों ने कहा, कि नया डिजिटल सिक्का, जिसे 'मेमेकॉइन' के रूप में जाना जाता है, क्रिप्टो ट्रेडिंग के इतिहास में हाहाकारी साबित हो सकता है। 'मेमेकॉइन' एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जो किसी भी सेलिब्रिटी शुभंकर से जुड़ी होती है। सेलिब्रिटी को छोड़ दें, तो कुत्ते भी अब मेमेकॉइन के शुभंकर हैं। 2021 में पहले मेमेकॉइन में से एक, डॉग–आधारित डिजिटल मुद्रा था, जिसे 'डॉगकॉइन' कहा जाता है। इस डिजिटल मुद्रा ने रातों–रात करोड़पति बनाए, लेकिन उतनी ही जल्दी इसने अपना मार्केट वैल्यू खो दिया। मेमेकॉइन के मामले में सच है, कि उसकी कीमतों में तेजी से उतार–चढ़ाव होता है। मेमेकॉइन की कीमतें अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर अलग–अलग हो सकती हैं, जिससे किसी सिक्के का वास्तविक मूल्य निर्धारित करना मुश्किल हो जाता है। नई क्रिप्टोकरेंसी की कीमत अक्सर बहुत बढ़ जाती है, लेकिन जब सिक्के के धारक उसे बेचना शुरू करते हैं, तो वे गिर जाते हैं। ट्रम्प यह सब तुरंत नहीं करेंगे, पहले 'डॉलर मेलानिया' और 'ट्रंप मेमेकॉइन' की कीमतों को बुलंदी पर ले जायेंगे। ट्रंप के पांच बेटों में से एक ली रेनर्स, दूसरे एरिक ट्रम्प, क्रिप्टो करेंसी कारोबार में आगे आ चुके हैं। 2024 क्रिप्टो के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष था, जिसमें बिटकॉइन 100,000 डॉलर को पार कर गया। 'यू.एस. सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन' ने बिटकॉइन रखने वाले पहले एक्सचेंज–ट्रेडेड फंड को मंजूरी दी। अब, क्रिप्टो उत्साही, ट्रम्प के इस वादे पर भरोसा कर रहे हैं, कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की 'बिटकॉइन महाशक्ति' बनाएंगे। अमेरिका पहले से ही बिटकॉइन का सबसे बड़ा संप्रभु धारक है। 'बिटबो' के डेटा के अनुसार, अमेरिका में 200,000 से अधिक बिटकॉइन हैं, जो लगभग 22 बिलियन डॉलर के बराबर है। अमेरिका अंदर ही अंदर मंदी के खतरे से गुजर रहा है, चुनांचे उसके कई राज्यों में अल सल्वाडोर मॉडल को अपनाने की कोशिशें

चुनाव से पहले शुरू हो चुकी थीं। नवंबर में पेंसिल्वेनिया के प्रतिनिधि सभा में पेश किए गए एक विधेयक में राज्य के कोषाध्यक्ष और सार्वजनिक पेंशन फंड को बिटकॉइन में निवेश करने के लिए अधिकृत करने की मांग की गई थी। लेकिन, सबलोग इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। 'नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टेट रिटायरमेंट एडमिनिस्ट्रेटर' के शोध निदेशक, कीथ ब्रेनार्ड ने कहा, कि हमें उम्मीद नहीं है कि कई सार्वजनिक पेंशन फंड निवेश पेशेवर, जो लगभग 6 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति की देखरेख करते हैं, क्रिप्टो में निवेश करेंगे। क्रिप्टो में निवेश के साथ जोखिम लेना कौन पेंशनर चाहेगा? लुइसियाना के कोषाध्यक्ष जॉन फ्लेमिंग ने कहा, 'मेरी चिंता यह है कि किसी समय यह बढ़ना बंद हो जाएगा, और फिर लोग इसे भुनाना चाहेंगे।' विरोधाभासी स्थिति में अमेरिका के बाकी राज्य क्रिप्टो करेंसी को कितना स्वीकार करते हैं, उस सूरतेहाल को समझने में समय लग सकता है। चुनाव अभियान के दौरान, ट्रम्प ने देश के लिए एक 'रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व' बनाने का विचार पेश किया था, जो हाल के वर्षों में अल सल्वाडोर की पहल के समान है। अल सल्वाडोर बिटकॉइन को लीगल टेंडर के रूप में उपयोग करने वाला दुनिया का पहला देश, 2021 में बन गया। 'कोलोन' (एसवीसी) 1892 से अल सल्वाडोर की आधिकारिक मुद्रा थी, जब तक कि इसे 1 जनवरी, 2001 को अमेरिकी डॉलर द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया गया। क्रिप्टो स्वीकार हुआ भी इसलिए, क्योंकि डॉलरीकरण के बाद सरकार, अल सल्वाडोर की मौद्रिक नीति को नियंत्रित करने में असमर्थ थी। इस समय, भारत में रुपये का जो हाल डॉलर के मुकाबले है, वैसा ही कुछ अल सल्वाडोर में हो रहा था। इस निर्णय ने एक बड़ी आबादी की क्रय शक्ति को कम कर दिया। डॉलरीकरण ने अल सल्वाडोर के निर्यात को धीमा कर दिया था। वित्तीय साक्षरता की कमी ने भी अल सल्वाडोर की आबादी को नुकसान पहुंचाया था, क्योंकि वे नहीं जानते थे कि अमेरिकी डॉलर का उपयोग कैसे किया जाता है, न ही वे इसके मूल्य को समझते थे। अंततः, अल सल्वाडोर को मुद्रा स्फीति से निजात का अंतिम उपाय, क्रिप्टो करेंसी में ही नजर आया। तो क्या भारत भी उसी राह पर अग्रसर है? 2020 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने क्रिप्टोकरेंसी पर से प्रतिबंध हटा दिया था, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक ने 2018 में लगाया था। यों, भारत ने अभी तक क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक स्पष्ट नियामक ढांचा नहीं अपनाया है। 2022 में, क्रिप्टोकरेंसी कैपिटल गेन पर 30 प्रतिशत कर लगाया गया था। इसलिए, मानकर चलें कि इसे वैध स्वीकार करने के रास्ते मोदी सरकार ने चुपचाप खोल दिये। डेटा ट्रैकर, 'कॉइन गेक्को' के अनुसार, 'क्रिप्टोकरेंसी वर्तमान में 119 देशों और चार ब्रिटिश ओवरसीज क्षेत्रों में सशर्त वैध है।' क्रिप्टो करेंसी क्या आतंकियों और क्रिमिनल्स के पेमेंट का भी जरिया है? इस सवाल पर इसे प्रोमोट करने वाले शासन प्रमुख चुप मिलेंगे!

चीन की परियोजना से उत्पन्न होते खतरे

पंकज

भारत, बांग्लादेश और भूटान इस बात को लेकर चिंतित थे कि चीन तिब्बत में दुनिया की जो सबसे बड़ी जल–विद्युत परियोजना शुरू कर रहा है, वह भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है और ऐसे बांधों से दक्षिण एशिया में बड़ी तबाही हो सकती है। इसी बीच, तिब्बत में 6.8–7.1 तीव्रता के भूकंप ने करीब 200 लोगों की जान ले ली और बड़े क्षेत्र को प्रभावित किया। चीन का प्रस्तावित बांध जल सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संतुलन और क्षेत्रीय रिश्तों के मामले में आशंकाएं पैदा कर रहा है। दरअसल, ब्रह्मपुत्र नदी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की जीवन रेखा है, और इसके प्रवाह में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से जल उपलब्धता संकट में पड़ सकती है, खासकर शुष्क मौसम में। बांध से नदी के प्रवाह पर चीन के रणनीतिक नियंत्रण का डर है, जो किसी तनाव के समय प्रभाव डाल सकता है। यह जलविद्युत परियोजना यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले हिस्से में हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाई जाएगी। इस बांध के कारण भारत सहित कई अन्य देशों में भय का कारण यह भी कि परियोजना स्थल टेक्टोनिक प्लेट सीमा पर स्थित है। तिब्बती पठार, जिसे दुनिया की छत माना जाता है, अक्सर भूकंप की मार झेलता है क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। 60 गीगावाट की यह परियोजना नदी प्रवाह के ऐसे मोड़ पर बनाई जा रही हैं जहां से सियांग या दिहांग नदी के रूप में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने से पहले तिब्बती प्लैट्यू पर यारलुंग बेहद ऊंचाई से गिरती है। इस मोड़ के लगभग 50 किलोमीटर के इलाके को इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी 2,000 मीटर की ऊंचाई से गिरे और उसके जरिए पनबिजली पैदा की जा सके। चीन ने अभी तक यारलुंग नदी का इस्तेमाल बिजली बनाने में सबसे कम किया है, महज 0.3 फीसदी। अब उसने मेडॉग इलाके के पास अपनी भौगोलिक सीमा के लगभग अंतिम छोर पर नदी को रोकने की योजना का क्रियान्वयन शुरू कर दिया। चीन द्वारा विशाल नदियों पर बांध बनाकर जलाशयों में पानी रोकने से लंबी अवधि में नदी के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता पर गंभीर असर पड़ेगा। इसके जवाब में, भारत भी अपने हिस्से की नदी पर 10 गीगावाट क्षमता का बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि, यदि चीन नदी के मुख्य प्रवाह को नियंत्रित करेगा, तो भारत की जल जरूरतों का नियंत्रण भी चीन के पास होगा, और भारत को भी पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाना पड़ेगा। दोनों देशों की ये हाइड्रोपॉवर परियोजनाएं इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी नुकसान को बढ़ा सकती हैं, जिससे जल पारितंत्र स्थिर हो सकता है और स्वच्छ जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। समझना होगा कि सदियों पहले नदियों के साथ बह कर आई जिस मिट्टी ने कभी असम राज्य का निर्माण किया, अब वही द्रुत–व्यापक जलधाराएं इस राज्य को बाढ़ व भूमि कटाव से श्रापित कर रही हैं। ब्रह्मपुत्र, बराक तथा उनकी करीब 50 सहायक नदियों का तेज बहाव अपने किनारे की बस्तियों और खेतों को लगातार उजाड़ता रहा है, जिससे राज्य में कई तरह के संकट उत्पन्न होते हैं, जिनमें विस्थापन और भूमिहीनता प्रमुख हैं। आज भी असम और पूर्वोत्तर के कई इलाकों में बाढ़ के साथ आने वाली तलछट से नई भूमि बनती है, जो वहां की खेती का आधार है। यदि भविष्य में तिब्बत और भारत की सीमा पर बड़े बांधों का निर्माण किया जाता है, तो यह तलछट की आवक को रोक देगा। बांधों और जलाशयों के कारण बड़ी मात्रा में तलछट एकत्र हो जाएगा, जिससे नदी के किनारे कटाव बढ़ जाएगा। चीन में बनाए गए थ्री गोरजेस डैम इसका उदाहरण हैं, जहां बांध के नीचे आने वाली नदियों के किनारों पर कटाव बढ़ा है। भारत में पूर्वोत्तर राज्य पहले ही इस प्रकार के भू–कटाव से प्रभावित हैं। इतनी विशाल मात्रा में भारत के 'सिर' पर एकत्र जल–निधि हमारी सुरक्षा को भी खतरा है। यदि भूकंप या किन्हीं प्राकृतिक कारणों से बांध फट जाए या फिर युद्ध की स्थिति में चीन इसका पानी नीचे बहा दे तो भारत को जान–माल का काफी नुकसान हो सकता है। यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से संवेदनशील है, और धरती के भीतर से उभरने वाले आंतरिक दबाव के परिणामस्वरूप भूकंप यहां लगातार महसूस किए जाते हैं। यह पूरा इलाका लगातार नमीदार बना रहता है। जलवायु परिवर्तन के कारण सर्वाधिक संवेदनशील तिब्बत के पहाड़ों पर अचानक तेज बरसात, तापमान में बेहद उतार–चढ़ाव, हिमस्खलन, भूस्खलन, और मलबे के बहाव जैसी स्थितियों की मार बहुत गहरी है और उनका पूर्वानुमान जटिल है। चूंकि भारत और चीन के बीच में कभी जल को लेकर कोई संधि हुई नहीं है। वह वास्तविक आंकड़े और गतिविधियां कभी पड़ोसी से साझा नहीं करता। इस बांध के कारण प्रभावित इलाकों में अरुणाचल प्रदेश का वह हिस्सा भी है जिस पर चीन दावा करता रहा है। बता दें कि चीन और पाकिस्तान में मित्रता है, चीन ने पाकिस्तान में काफी निवेश भी किया है। हाल के वर्षों में भारत पाकिस्तान को सिंधु नदी और पंजाब की नदियों का पानी रोकने की धमकी देता रहा है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है और लद्दाख होते हुए पाकिस्तान में प्रवेश करती है, जहां इसकी पानी की मात्रा नील नदी से भी अधिक है। भारत ने इस नदी के पानी के बंटवारे पर किए गए पुराने समझौतों पर पुनर्विचार की बात की है। ऐसे में संभावना है कि जब चीन अपने बांधों के जल–नियंत्रण पर चर्चा करेगा, तो वह पाकिस्तान की मिसाल सामने रखेगा। चूंकि चीन और भारत दोनों देशों के पास साफ पानी की कमी है और खेती के लिए पानी की आवश्यकता है। यूं भी भविष्य में जल संसाधनों पर अधिक नियंत्रण की चाह सभी देशों में है। एक विशाल जल विस्फोट की आशंका, जैव विविधता व पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभावों के मद्देनजर जरूरी है कि भारत ऐसे बांधों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से सहयोग ले।

दोषी को सजा और समाज की जिम्मेदारी

प.बंगाल में आरजी कर अस्पताल में 8–9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के दोषी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे दो दिन पहले अदालत ने 18 जनवरी को संजय को दोषी ठहराया था। अदालत ने इस मामले को जघन्य तो माना, लेकिन दुर्लभतम यानी रेयरेस्ट ऑफ द रेयर नहीं माना, इसलिए दोषी को मृत्युदंड न देकर मरने तक उम्रकैद दी गई है। हालांकि प.बंगाल सरकार ने अब कलकत्ता हाईकोर्ट में उम्रकैद को सही नहीं मानते हुए दोषी को फांसी देने के लिए याचिका दायर की है, जो मंजूर तो कर ली गई है, लेकिन इस पर सुनवाई कब होगी, यह अभी तय नहीं है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा– मुझे पूरा विश्वास है कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला है, जिसके लिए मौत की सजा मिलनी चाहिए। कोर्ट यह कैसे कह सकता है कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है? वहीं भाजपा ने भी इस मामले में उम्रकैद मिलने पर अपनी नाराजगी जताई और इसके लिए ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया। जबकि भाजपा यह जानती है कि मामले की पूरी जांच सीबीआई की निगरानी में हुई और उसके द्वारा पेश तथ्यों और सबूतों के आधार पर ही दोषी को सजा दी गई है। अगर भाजपा को आपत्ति दर्ज करनी ही है तो उसे फिर सीबीआई पर भी सवाल उठाने चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि यहां न्याय से अधिक राजनीतिक लाभ लेने का खेल चल रहा है। वैसे पीड़िता के परिजन भी इस फैसले से निराश हैं और उन्होंने भी बड़ी अदालत में याचिका दायर करने का फैसला किया है। सियालदह अदालत ने दोषी को सजा के साथ–साथ पीड़िता के परिवार को मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। अदालत ने डॉक्टर की मौत के लिए 10 लाख और बलात्कार के लिए 7 लाख मुआवजा तय किया। इस दौरान कोर्ट में मौजूद ट्रेनी डॉक्टर के माता–पिता ने हाथ जोड़कर कहा कि हमें मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए। इस पर जज ने कहा– मैंने कानून के मुताबिक यह मुआवजा तय किया है। आप इसका इस्तेमाल चाहे जैसे कर सकते हैं। इस रकम को अपनी बेटी के बलात्कार और हत्या के मुआवजे के तौर पर मत देखिए। बात सही है कि इस जघन्य अपराध का कोई मुआवजा तय ही नहीं हो सकता, फिर भी अदालत ने कानून के दायरे में जो उचित था, वैसा फैसला सुनाया। पीड़िता के माता–पिता ने यह दावा भी किया है कि जांच ठीक से नहीं हुई है। कई लोगों को बचाया गया है। इस बारे में अदालत ने भी पुलिस और अस्पताल के रवैये की आलोचना की है। अस्पताल की तरफ से घटना की जानकारी देने में देर की गई और उसके बाद पुलिस ने केस दाखिल करने में देर की। दो पुलिसकर्मियों के बयान के आधार पर अदालत ने टिप्पणी की, श्इस बात में कोई शक नहीं कि अधिकारियों द्वारा ये कोशिश की जा रही थी कि इस मौत को आत्महत्या दिखाया जाए ताकि अस्पताल पर कोई बुरा असर न पड़े। जज ने अपने फैसले में कहा, चूंकि जूनियर डॉक्टरों ने विरोध करना शुरू कर दिया था, इसलिए ये श्गैर कानूनी सपनाश पूरा नहीं हो पाया। अदालत की यह टिप्पणी काफी गंभीर है, क्योंकि समाज में अनेक महिलाएं ताउम्र केवल इसलिए नाइंसाफी का शिकार बनी रहती हैं क्योंकि किसी न किसी वजह से दोषी को बचाने या मामले को दबाने की कोशिश की जाती है। इसमें अगर राजनीति का खेल शुरु हो जाता है, तब तो बात और बिगड़ जाती है। आर जी कर मामले में ही देश ने देखा कि किस तरह भाजपा ने इसे ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल किया। इससे पहले निर्भया मामले में भी भाजपा का रवैया ऐसा ही था। लेकिन कठुआ, हाथरस, उन्नाव जैसे मामलों में भाजपा का रवैया दूसरा ही रहा। मणिपुर की घटना पर तो अंतरराष्ट्रीय मंचों से आलोचना हुई, लेकिन फिर भी भाजपा की तथाकथित डबल इंजन सरकार नाकारा साबित हुई। यही हश्र महिला पहलवानों के संघर्ष का भी रहा, जो यौन उत्पीड़न की या अदालती कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, इसमें हर तरह से सजगता चाहिए। आर जी कल मामले में ही सीबीआई ने आरोपपत्र में कहा कि संजय रॉय को बलात्कार या हत्या चल जाती तो शायद एक लड़की की जान बच जाती। क्योंकि पुलिस के लिए स्वयंसेवी के तौर पर काम करने के बाद संजय वेलफेयर सेल में चला गया। और अपने संपर्कों की

शिकायत करती रहीं, मगर आरोपी सत्ताश्रय में मजे से रहे। आर जी कर मामले के दोषी संजय रॉय को चाहे मरने तक जेल में रहना पड़े या उसे बड़ी अदालतों से मौत की सजा मिल जाए, इससे देश में महिलाओं के साथ अत्याचार रुकेगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। निर्भया मामले में भी दोषियों को फांसी की सजा हुई, लेकिन इससे महिलाओं के लिए असुरक्षित और नकारात्मक माहौल में कोई बदलाव नहीं आया। इसलिए केवल कानूनी का कोई पछतावा नहीं है, उसका व्यवहार जानवरों जैसा था। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय रॉय की कई शादियां भी हो चुकी हैं। यानी उसके चरित्र के सारे दाग अब दिखलाए जा रहे हैं। लेकिन इसी संजय रॉय ने 2019 में कोलकाता पुलिस में डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप के लिए वॉलंटियर के तौर पर काम करना शुरू किया था, तब उसकी पूरी पृष्ठभूमि क्यों नहीं खंगाली गई, यह बड़ा सवाल है। अगर तब उसकी असलियत पता बदौलत उसने कोलकाता पुलिस की चौथी बटालियन में घर भी ले लिया। इस घर की वजह से ही आरजी कर अस्पताल में उसे नौकरी मिली। बताया जाता है कि वह अक्सर अस्पताल की पुलिस चौकी पर तैनात रहता था, जिससे उसे सभी विभागों में आने–जाने की छूट मिली थी। संजय रॉय जैसे कितने ही दरिंदे इंसानों की शक्ल में हमारे आसपास घूमते रहते हैं, जिन्हें समाज या प्रशासन की लापरवाही के कारण अपराध करने की छूट मिल जाती है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित हुआ मानव श्रृंखला एवं सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण समारोह

अयोध्या। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत बुधवार को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर मानव श्रृंखला एवं सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राजकीय इंटर कालेज परिसर मे सुबह किया गया।मानव श्रृंखला में राजकीय इंटर कॉलेज,राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मनोहर लाल मोती लाल इंटर कॉलेज के लगभग 500 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।इस मौके पर विधार्थियो को सड़क सुरक्षा शपथ दिलायी गयी।शपथ ग्रहण में सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अयोध्या ऋतु सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), डॉ० आर०पी० सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रेम सिंह के अलावा लोक निर्माण विभाग से सत्य प्रकाश भारतीय,डीआईओएस डॉ० पवन कुमार तिवारी,राजकीय इण्टर कालेज से राम निहोर, धर्मेन्द्र पाण्डेय,राजेश कुमार शुक्ल,राजकीय बालिका इण्टर कालेज से चेतना यादव, माला यादव, नेहा गुप्ता, संजू सिंह, एम०एल०एम०एल० इण्टर कालेज से सत्य प्रकाश, सुरेश कुमार, अमित चौधरी, राम लखन, विजय बहादुर, प्रदीप कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अयोध्या डॉ० आर०पी० सिंह द्वारा उपस्थित सभी विद्यार्थियों को एवं उपस्थित अधिकारियों एवं अध्यापकगण को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के अन्त में सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अयोध्या द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित नियमों की जानकारी दी गयी तथा आम जनमानस में सडक सुरक्षा से सम्बन्धित जागरूकता उत्पन्न करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वॉकथॉन के माध्यम से मतदान के महत्व पर दिया सदेश

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 25 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय वॉकथॉन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस वॉकथॉन का उद्देश्य नागरिकों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और आगामी चुनावों में शत–प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री रिणवा ने वॉकथॉन के शुभारंभ अवसर पर सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान अनिवार्य है। मतदान न केवल हमारा अधिकार है, बल्कि यह हमारे भविष्य को दिशा देने का साधन भी है। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाते हैं, जिससे कि नागरिकों में अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता आए। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत प्रख्यात है। मतदाता ही लोकतंत्र को जीवंत और गतिशील बनाए रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। मतदाताओं को चुनाव में प्रलोभन, डर, जाति, धर्म और अन्य भेदभाव को छोड़कर अपने विवेक से मतदान करना चाहिए। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा एवं छूटे हुए नागरिकों को वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराना चाहिए। अब नागरिकों को वर्ष में एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई, एक अक्टूबर यानी चार बार मतदाता बनने का मौका मिलता है। इन तिथियों के लिए अग्रिम रूप में फॉर्म–6 भर कर वोटर बन सकते हैं। उन्होंने वोटर बनने की प्रकिया, मतदाता सूची तथा मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों से कहा

कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि आगामी चुनावों में मतदाता जागरूकता को बढ़ाने के लिए कई और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें डिजिटल अभियान, स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएं तथा विशेष रूप से महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं को ध्यान में रखकर जागरूकता गतिविधियां की जायेगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मतदाता न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बतौर विशिष्ट अतिथि मंडलायुक्त सुश्री रोशन जैकब ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान करती है। विगत 70 वर्षों से अधिक समय से भारत में लोकतांत्रिक तरीकों से केंद्र और राज्य की सरकारों का चयन मतदाताओं ने बिना किसी भेदभाव और डर के किया है। हम सब को मिलकर इस व्यवस्था को बनाए रखना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई कि "हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें''। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी श्री विशाख जी0, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री चन्दशेखर, मुख्य विकास अधिकारी श्री अजय जैन एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, एन0एस0एस0, एन0वाई0के0, भारत स्काउट गाइड के युवा, सामाजिक संगठन और सरकारी कार्मिक, छात्र–छात्राएं सहित लगभग 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्वयम कोर्सेज विद्यार्थी के लिए उपयोगी : प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेज के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में गुरुवार को किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्वयम एनपीटीईएल, लोकल चौप्टर समन्वयक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर की डॉ. अंगना सेनगुप्ता ने कहा कि स्वयम पोर्टल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन कोर्सेस के लिए विकसित की गई वेबसाइट है । इसके माध्यम से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी ऑनलाइन कोर्सेज कर सकते है। इस ऑनलाइन पोर्टल पर दस नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं जो विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान, इग्नू, यूजीसी के अनुभवी शिक्षकों द्वारा तैयार पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराते हैं। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वयम पोर्टल पर ऑनलाइन कोर्सेज को उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के लिए स्वीकार कर लिया गया है। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में ऑनलाइन शिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयम पोर्टल ऑनलाइन शिक्षण के लिए विकसित किया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि सभी महाविद्यालय स्वयम कोर्सेस में विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए जागरूक करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद सिंह ने कहा कि स्वयम कोर्सेस की परीक्षा विश्वविद्यालय स्तर पर करने के लिए तैयार है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि वर्तमान समय में ऑफलाइन शिक्षा के साथ–साथ ऑनलाइन शिक्षा भी आवश्यक है। कार्यशाला के संयोजक विश्वविद्यालय के स्वयम नोडल अधिकारी प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया एवं प्रतिभागियों को बताया कि विद्यार्थी स्वयम पोर्टल द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 40% क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। विद्यार्थी द्वारा चयनित कोर्सेज की परीक्षा ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से देने एवं उत्तीर्ण करने के पश्चात अर्जित अंक व क्रेडिट उसके मार्कशीट पर अंकित किए जाएंगे। कार्यशाला का संचालन सह–नोडल अधिकारी डॉ. नितेश जायसवाल किया । धन्यवाद ज्ञापन सह–नोडल अधिकारी डॉ नीरज अवस्थी ने किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, अध्ययन परिषद के संयोजक, महाविद्यालयों के प्राचार्य, स्वयम नोडल अधिकारियों ने स्वयम से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को रखा। उनकी सभी जिज्ञासा का समुचित समाधान किया गया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. अजय दिवेदी, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. मुराद अली, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. राजेश शर्मा, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ रसीकेस, डॉ मनोज पांडे, डॉ श्याम कन्हैया, उपकुल सचिव बबीता सिंह एवं महाविद्यालयों से आए नोडल अधिकारी उपस्थित रहे ।

मिल्कीपुर उपचुनाव में यादव मतदाताओं को साधने में जुटी अपर्णा यादव

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में बीजेपी ने बड़ा दांव चला है।बीजेपी ने इस सीट पर करीब 55 हजार यादव वोटर्स को साधने के लिए मुलायम सिंह की छोटी बहू अपर्णा यादव को अहम जिम्मेदारी सौंपी है।बताते चल के सूत्र के मुताबिक अपर्णा यादव मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में तीन जनसभाएं करेंगी।वही सभा करने के अलावा ही इसके साथ–साथ डोर तो डोर संपर्क कर पार्टी के लिए समर्थन जुटाएंगी। मिल्कीपुर में प्रचार करने अयोध्या पहुंची मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और भाजपा नेता अपर्णा यादव ने रामनगरी में सबसे पहले राम मंदिर आंदोलन की हृदय स्थली कारसेवक पुरम में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मुलाकात की।उन्होंने चंपत राय को अंग वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया।इसके बाद अपर्णा यादव ने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि पहुंचकर दर्शन और पूजन किया. फिर वह मिल्कीपुर में आयोजित जनसभा में भाग लेने के लिए रवाना हुईं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वॉकथॉन के माध्यम से मतदान के महत्व पर दिया संदेश

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 25 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय वॉकथॉन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस वॉकथॉन का उद्देश्य नागरिकों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और आगामी चुनावों में शत–प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री रिणवा ने वॉकथॉन के शुभारंभ अवसर पर सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान अनिवार्य है। मतदान न केवल हमारा अधिकार है, बल्कि यह हमारे भविष्य को दिशा देने का साधन भी है। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाते हैं, जिससे कि नागरिकों में अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता आए। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत प्रख्यात है। मतदाता ही लोकतंत्र को जीवंत और गतिशील बनाए रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। मतदाताओं को चुनाव में प्रलोभन, डर, जाति, धर्म और अन्य भेदभाव को छोड़कर अपने विवेक से मतदान करना चाहिए। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा एवं छूटे हुए नागरिकों को वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराना चाहिए। अब नागरिकों को वर्ष में एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई, एक अक्टूबर यानी चार बार मतदाता बनने का मौका मिलता है। इन तिथियों के लिए अग्रिम रूप में फॉर्म–6 भर कर वोटर बन सकते हैं। उन्होंने वोटर बनने की प्रकिया, मतदाता सूची तथा मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों से कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि आगामी चुनावों में मतदाता जागरूकता को बढ़ाने के लिए कई और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें डिजिटल अभियान, स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएं तथा विशेष रूप से महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं को ध्यान में रखकर जागरूकता गतिविधियां की जायेगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मतदाता न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बतौर विशिष्ट अतिथि मंडलायुक्त सुश्री रोशन जैकब ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और व्यवस्थाओं का सम्मान करती है। विगत 70 वर्षों से अधिक समय से भारत में लोकतांत्रिक तरीकों से केंद्र और राज्य की सरकारों का चयन मतदाताओं ने बिना किसी भेदभाव और डर के किया है। हम सब को मिलकर इस व्यवस्था को बनाए रखना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई कि "हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें''। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारीध जिलाधिकारी श्री विशाख जी0, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री चन्दशेखर, मुख्य विकास अधिकारी श्री अजय जैन एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, एन0एस0एस0, एन0वाई0के0, भारत स्काउट गाइड के युवा, सामाजिक संगठन और सरकारी कार्मिक, छात्र–छात्राएं सहित लगभग 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वन विभाग के लाख प्रयास के बावजूद भी नहीं पकड़ में आ रहा तेंदुआ

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। वन विभाग के काफी प्रयास के बाद भी कैंट थाना क्षेत्र के निर्मली कुंड के अलावा सरयू नदी के किनारे जंगलों में दिखाई देने वाला तेंदुआ पकड़ में नहीं आया है। जिसके चलते वन विभाग के टीम के आला अधिकारी व कर्मचारी बैनर व पोस्टर पंपलेट के माध्यम से स्थानीय लोगों को निर्मली कुंड तथा उन स्थानों पर न जाने की सलाह दे रहे हैं जहां पर तेंदुआ होने की आशंका जताई जा रही है। बताते चले कि पिछले महीने से ही इस तेंदुआ के यहां पर आने की आहट मिली थी।पहले तो वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने यह कहकर इसका खंडन किया कि यह तेंदुआ ना होकर कोई जंगली जानवर है। लेकिन जब तेंदुआ होने की पुष्टि वन विभाग की टीम के सदस्य द्वारा हुई तब वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने तेंदुए को पकड़ने के लिए दो जगह पर पिंजरे भी लगाए।लेकिन इसके बावजूद अभी तक वन विभाग के कर्मचारियों को तेंदुआ की आहट तो मिल रही है लेकिन उक्त तेंदुआ वन विभाग की पकड़ से दूर है।बताते चले कि उक्त तेदुआ सरयू नदी के किनारे जंगल व कैंट थाना क्षेत्र के निर्मली कुंड मे विचरण कर रहा है।पानी पीने व भोजन की तलाश मे वह इन जगहो पर दिखाई दे रहा है।इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि उस तेदुए की लोकेशन सोमवार को निर्मली कुंड के आसपास मिली थी। जो वन विभाग द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। उन्होंने बताया कि उसको पकड़ने के लिए निर्मली कुंडवा आसपास दो पिंजरे लगाए गए हैं। जिसमें बकरियां भी बांधी गई है। उन्होंने बताया कि उसको पकड़ने के लिए दो टीमों का गठन भी किया गया है।टीम में शामिल सभी सदस्य सुबह शाम उक्त तेंदुए की गतिविधियों पर निकाह बनाए हुए हैं। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि सभी लोग उक्त जगह पर ना जाएं और शीघ्र उक्त तेंदुआ पकड़ में आ जाएगा।

महिला सशक्तीकरण और बेटी बचाओं और बेटी पढाओं के तहत खेलेगा जौनपुर बढेगा जौनपुर विषयक खेल प्रतियोगिता की शुरुवात

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देशन में तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ईशिता किशोर के कुशल नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण और बेटी बचाओं और बेटी पढाओं के तहत खेलेगा जौनपुर बढेगा जौनपुर विषयक खेल प्रतियोगिता की शुरूवात की जा रही है। जिसके क्रम में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि खेल प्रतियोगिता सर्वप्रथम विकासखण्ड स्तर, तहसील स्तर और उसके उपरान्त अन्तिम प्रतियोगिता जनपद स्तर पर टी0डी0 कालेज के खेल मैदान में करायी जाएगी। खेल प्रतियोगिता में कुश्ती, कबडडी, खोखो, दौड सहित अन्य खेलों को सम्मिलित किया गया है। जलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा

अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, जिला क्रीडा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपस में समन्वय करते हुए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ले। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया क्रीडा स्थल पर एम्बुलेन्स, प्राथमिक चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक स्वास्थय सुविधा उपलब्ध रहे। इसके साथ ही पुलिस विभाग के द्वारा पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा विकास खडं करंजाकला के ककोर गहना निवासी कुश्ती खिलाडीध अंशिका और जान्सी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर और कम्बल देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि जनपद जौनपुर में असीम प्रतिभाए छिपी है, बस उन्हे एक मंच देने की आवश्यकता है। उन्होंने पहलवानों के उज्ज्वल भविश्य की मंगल कामना भी की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपजिलाधिकारी अर्चना ओझा, निधि शुक्ला, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अनिता, अध्यक्ष मिटटी कुश्ती संघ जनपद जौनपुर केसरी सिंह, प्रदेश सचिव लालजी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रजीत यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बांकेलाल यादव, महमूद पहलवान, राष्ट्रीय पहलवान ओमप्रकाश यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर मानव श्रंखला बनाकर दिया सड़क सुरक्षा का सन्देश

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज राजकीय इण्टर कालेज के प्रांगण मे नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयन्ती के अवसर पर सड़क सुरक्षा के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, व अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्वा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर तथा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म सभी को दिखायी गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजकीय इण्टर कालेज मे बड़ी संख्या मे विभिन्न स्कूलों से आये हुये बच्चों, अध्यापकगणों अधिकारीगणों को सम्बोधित करते हुये कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर बच्चों द्वारा मानव श्रखंला का आयोजन किया गया, जिसका उददेश्य यह है कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों मे जागरूकता लायी जा सके, जिससे की सड़क दुर्घटनाओं मे कमी आये। सभी को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन

पूरी गंभीरता से करना चाहिए। उन्होंने नेता जी सुभाष चन्द्र जी के जीवन के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुये नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन के बारे मे विस्तार से जानकारी दी और यातायात के नियमों के पालन हेतु अपने आस–पडोस तथा घर मे लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अपने उद्वबोधन मे कहा कि यातायात नियमों का पालन करते समय नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की अनुशासन प्रियता को अपने ध्यान मे रखना होगा। साथ ही सेप्टी पांइट का भी खयाल रखना होगा, जिससे कि हम सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी वि0र0 प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि डॉ0 नन्द किशोर एआटीओं प्रशासन संजीव सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अधिकारी कर्मचारी व स्कूली बच्चें, अध्यापकगण व पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

केजीएमयू में अब बिना भर्ती हुए मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मार्च से बिना भर्ती हुए आयुष्मान योजना का लाभ मिलने लगेगा। इसके लिए विभाग और डे–केयर सुविधा का आकलन किया जा रहा है। अभी तक आयुष्मान योजना का लाभ लेने के लिए न्यूनतम 24 घंटे भर्ती रहने की अनिवार्यता थी। अब इसमें छूट दी जा रही है। केजीएमयू के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. सुरेश कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार ने आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाते हुए बिना भर्ती वाले मरीजों को भी इसमें शामिल किया है। ऐसे में डे–केयर वाले मरीजों को भी योजना का लाभ मिलने लगेगा। विभिन्न विभाग में डे–केयर के दायरे में कौन–कौन सी सुविधाएं हैं, इसका आकलन किया जा रहा है। इसको लेकर विभिन्न विभागों के बीच बैठक की जा रही है। यह काम अगले 15 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद अन्य जरूरी बदलाव किए जाएंगे। मरीजों को मार्च की शुरुआत से नई सुविधा का लाभ देने की तैयारी है। आयुष्मान योजना के तहत लाभार्थी को साल भर में पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। डे–केयर सुविधा का लाभ कई मरीजों को मिल सकता है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

अयोध्या। बुधवार को राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जो दर्शन नगर स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुआ।बुधवार को द्वितीय बैच जिसमें ब्लॉक स्तर के बीसीपीएम स्टाफ नर्स को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण मे वहाँ पर मौजूद प्रतिभागियों को बचाव, उपचार,

टीकाकरण एवं इलाज के बारे में विस्तृत व्यावहारिक जानकारी दी गई।इस मौके पर प्रशिक्षक की भूमिका में डॉ प्रवीन मौर्या, डीएसओ डॉबीपी त्रिपाठी, डॉ अरविंद श्रीवास्तव जिला एपिडेमियोलॉजिस्टि, प्रवीण त्रिपाठी एआरओ,डॉ सद्दाम खान एआरओ, डॉ विवेक शुक्ला पशु चिकित्सक आदि लोग मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती मनाई गई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या 23 जनवरी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर नगर निगम अयोध्या में स्थित कार्यक्रम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष कविंद्र साहनी ने किया एवं संचालन महामंत्री रमेश चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया उसके उपरांत नेताजी के विचारों पर प्रकाश डाला गया ,जिला अध यक्ष ने बताया कि नेताजी जैसी विभूति विरले ही जन्म लेते है देश के लिए किए गए उनके योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता है आज नेताजी की 128 जयंती है नेताजी के विचार आज भी प्रशंगिक हैं उनके विचारों पर चलकर देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संगठन के प्रदेश सचिव अवि आनंद, जिला अध्यक्ष आईटी सेल मानव मेहरोत्रा, अजय मिश्रा, मुकेश श्रीमाली, राजेश यादव, प्रवेश हुसैन, विपिन यादव ,विनय पांडे, अरुण साहू ,अजय वैश्य ,प्रभात कुमार अग्रवाल, दिग्विजय गर्ग , फ्लावर नकवी, गिरधर अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित थे, कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण किया गया।

सदर और खनन अधिकारी ने की छापेमारी

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।अयोध्या में घने कोहरे में भी उपजिलाधिकारी सदर ने छापा मारा। अवैध खनन कर रहे 2 डम्फर 1 जेसीबी को सीज किया। एसडीएम सदर विकाश दुबे ने फिर एक बार घने कोहरे में खनन माफियाओं पर कड़ा एक्शन लिया है। थानां महराजगंज के रामपुर पुवारी में अवैध खनन कर रहे एक जेसीबी और 2 डम्फर को पकड़ लिया और खनन अधिकारी अयोध्या को बुला कर सीज करने का निर्देश दिया।उपजिलाधिकारी सदर विकास दुबे के द्वारा दोबारा बड़ी कार्यवाही से खनन माफियाओं में भगदड़ मच गई है।

आठवीं बार उद्घोषक की भूमिका में नजर आएंगे खाकी वाले गुरूजी उप निरीक्षक रणजीत यादव

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।जनपद अयोध्या के रिजर्व पुलिस लाइन में गणतन्त्र दिवस पर आयोजित रैतिक परेड में आठवीं बार उप निरीक्षक रणजीत यादव द्वारा उद्घोषक की भूमिका का निर्वहन किया जाएगा! पुलिस लाइन अयोध्या में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड का वर्ष 2015,2018, 2019, 2020, 2022,2023 व 2024 में सकुशल उद्घोषक की भूमिका निभा चुके समाजसेवी दारोगा को इस वर्ष भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वर्ष इनके सहायक के रूप में आर्मी स्कूल की शिक्षिका रचना श्रीवास्तव भी इनका साथ देंगी। पुलिस लाइन जनपद अयोध्या के परेड प्रांगण में आयोजित इस वर्ष के रैतिक ड्रिल परेड में प्रथम कंमाडर की भूमिका में पियूष क्षेत्राधिकारी बीकापुर व द्वितीय कमांडर निरीक्षक सूर्य प्रकाश शुक्ला तथा तृतीय कमांडर के दायित्यों का निवर्हन उनि सशत्र पुलिस सुभाष यादव करेंगे। इस वर्ष दस टोलियां जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस, सीआरपीएफ,होमगार्ड के जवानों सहित,अटल आवासीय विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं,घुसवार पुलिस, एटीएस दस्ता, चीता मोबाइल, फिल्ड यूनिट,सर्विलांस, फायर ब्रिगेड,डॉग स्क्वाड, डायल 112 की टीम,यातायात पुलिस, दंगा निरोधी दस्ता के साथ डोगरा मिलिट्री पाइप बैंड के जवान सम्मिलित होंगे। उद्घोषक रणजीत रक्तदान,पौधरोपण, गरीब असहायों और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करना, शिक्षा, सुरक्षा और नशामुक्ति के प्रति लोगों को जागरूक करना जैसे सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। रणजीत यादव अयोध्या के जयसिंहपुर वार्ड के मिलन बस्ती के गरीब असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के कारण खाकी वाले गुरूजी के नाम से प्रसिद्ध हैं! सुरक्षा के साथ सेवा भावना के चलते मिल चुके हैं कई बड़े पुरस्कार! सुपरकॉप दारोगा रणजीत यादव द्वारा लिखित सामाजिक संदेश पर आधारित कई कहानियों का प्रसारण आकाशवाणी के दूरदर्शन केंद्र लखनऊ और अयोध्या के रेडियो स्टेशन से इनकी खुद की आवाज में कई बार हो चुका है। इनके कार्यो की सराहना डीजीपी उप्र पुलिस की अधिकारिक बेबसाइट द्वारा कई बार हो चुकी है। आजमगढ़ के एक छोटे से गांव भदसार के मूल निवासी रणजीत देश के जाने माने शीर्ष विश्विद्यालय बीएचयू से दर्शनशात्र विषय में स्नातकोत्तर हैं। वर्तमान समय में पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय अयोध्या में कार्यरत हैं।

चार साल में 80 फीसदी बन गया राम मंदिर, मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा शिखर

लखनऊ, (संवाददाता)। रामलला के मंदिर के उद्घाटन के एक साल अंग्रेजी तिथि के अनुसार 22 जनवरी को पूरे हो जाएंगे। यह तिथि भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुकी है। इसी दिन भव्य राम मंदिर में ऐतिहासिक समारोह के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। बुधवार को 22 जनवरी की तिथि है ऐसे में राम मंदिर निर्माण की यात्रा को जानना जरूरी हो उठता है। राम मंदिर निर्माण की सुखद यात्रा नौ नवंबर 2019 को आए फैसले के बाद शुरू हुई थी। पिछले चार सालों में राम मंदिर का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। आठ–दस महीने के भीतर राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। राम मंदिर के भूतल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है जबकि प्रथम व दूसरे तल का निर्माण कार्य चल रहा है। राम मंदिर का शिखर भी आकार ले रहा है। मंदिर निर्माण पर अब तक 1200 करोड़ खर्च हो चुके हैं। नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के हक में फैसला आने के बाद मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। फरवरी 2020 में केंद्र सरकार के आदेश पर राम मंदिर ट्रस्ट का गठन हुआ। सबसे पहले रामलला को टेंट से अस्थायी मंदिर में 25 मार्च 2020 की रात सीएम योगी ने विराजित किया। पांच फरवरी 2020 को वह घड़ी भी आ गई जो सदियों से प्रतीक्षित थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इन चार सालों में राममंदिर निर्माण में कई बाधाएं आईं। पहले टेस्ट पाइलिंग की गई, इसी पर मंदिर को आकार देने का निर्णय हुआ, लेकिन जब पाइलिंग पर भूकंप की तरह झटके दिए गए तो इसमें दरार आ गई। फिर निर्णय बदलते हुए 50 फीट गहराई तक खोदाई की गई। इस पर पत्थरों की चट्टान बिछाई गई। फिर फाउंडेशन का निर्माण कर मंदिर को आकार देने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस बीच कोरोना ने दस्तक दे दी। कोरोना काल में छह माह तक राममंदिर निर्माण का काम प्रभावित रहा। राम मंदिर के भूतल यानी गर्भगृह को आकार देने में तीन साल लग गए। 22 जनवरी 2024 को भव्य समारोह के बीच भूतल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि राम मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अनुसार ही चल रहा है। लगभग 80 फीसदी काम पूरा हो गया है। इसी साल मंदिर समेत सभी प्रकल्पों का निर्माण पूरा हो जाएगा।

मुलायम सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से सपाइयों में आक्रोश

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पर सपाइयों में आक्रोश बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वाले हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग को लेकर सपा महानगर अध्यक्ष ने सीओ सिटी को तहरीर दी है। कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। पुजारी राजू दास अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। मंगलवार को उन्होंने राजू दास हनुमानगढ़ी नामक आईडी से सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली। इस पर प्रयागराज महाकुंभ में लगी सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति लगी थी, जिसे अखिलेश यादव की आईडी से साझा किया था। इस फोटो पर राजू दास ने मुलायम सिंह को लेकर अपशब्दों का प्रयोग करते हुए टिप्पणी की। इसके बाद सपा नेता व कार्यकर्ताओं में उबाल आ गया। पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने जवाब में पोस्ट डालकर तीखी प्रतिक्रिया दी। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव समेत जिले के कई नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया करते हुए पोस्ट डाली और राजू दास के इस कृत्य की निंदा की। दोपहर में सपा महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव कई पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ सीओ सिटी कार्यालय पहुंचे और राजू दास पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस को दिए तहरीर में उन्होंने कहा कि नेताजी का सपा सहित सभी दलों के लोग सम्मान करते हैं। इससे लाखों लोगों की भावना आहत हुई है। नेताजी के प्रति सम्मान रखने लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने कहा कि पूर्व में भी राजू दास ने महिलाओं को लेकर अपमानजनक व अभद्र टिप्पणी की है। इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ रहा है। वहीं पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने कहा कि इस तरह का बयान राजू दास की दूषित मानसिकता का प्रतीक है। वह गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं, उन्हें इलाज की जरूरत है। इस दौरान अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष शावेज जाफरी, जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, अखिलेश चतुर्वेदी, शाहबाज लकी, राकेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

सपा संस्थापक के खिलाफ महंत राजू दास की टिप्पणी के खिलाफ भड़के सपाई, मुकदमा दर्ज करने की मांग की

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के विरुद्ध हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी की स्थानीय इकाई ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए महंत के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की है। हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास के फेसबुक आईडी से प्रयागराज कुम्भ में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पोस्ट के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर खबर आग की तरह फैल गई और सपा के कई नेता पार्टी जिलाध्यक्ष राम हर्ष यादव की अगुवाई में महंत राजू दास के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए नगर कोतवाली

स्वयम कोर्सेज विद्यार्थी के लिए उपयोगी : प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेज के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन आर्यभट्ट सभागार में गुरुवार को किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्वयम एनपीटीईएल, लोकल चौप्टर समन्वयक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर की डॉ. अंगना सेनगुप्ता ने कहा कि स्वयम पोर्टल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन कोर्सेस के लिए विकसित की गई वेबसाइट है। इसके माध्यम से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी ऑनलाइन कोर्सेज कर सकते है। इस ऑनलाइन पोर्टल पर दस नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं जो विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान, इग्नू, यूजीसी के अनुभवी शिक्षकों द्वारा तैयार पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराते हैं। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वयम पोर्टल पर ऑनलाइन कोर्सेज को उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में ऑनलाइन शिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयम पोर्टल ऑनलाइन शिक्षण के लिए विकसित किया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि सभी महाविद्यालय स्वयम कोर्सेस में विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए जागरूक करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद सिंह ने कहा कि स्वयम कोर्सेस की परीक्षा विश्वविद्यालय स्तर पर करने के लिए तैयार है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि वर्तमान समय में ऑफलाइन शिक्षा के साथ–साथ ऑनलाइन शिक्षा भी आवश्यक है। कार्यशाला के संयोजक विश्वविद्यालय के स्वयम नोडल अधिकारी प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया एवं प्रतिभागियों को बताया कि विद्यार्थी स्वयम पोर्टल द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 40: क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। विद्यार्थी द्वारा चयनित कोर्सेज की परीक्षा ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से देने एवं उत्तीर्ण करने के पश्चात अर्जित अंक व क्रेडिट उसके मार्कशीट पर अंकित किए जाएंगे। कार्यशाला का संचालन सह–नोडल अधिकारी डॉ. नितेश जायसवाल किया। धन्यवाद ज्ञापन सह–नोडल अधिकारी डॉ नीरज अवस्थी ने किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, अध्ययन परिषद के संयोजक, महाविद्यालयों के प्राचार्य, स्वयम नोडल अधिकारियों ने स्वयम से संबंधित विभिन्न प्रश्नों को रखा। उनकी सभी जिज्ञासा का समुचित समाधान किया गया।

नेता जी के जन्मदिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर शासन के द्वारा सड़क सुरक्षा विषय पर ''मानव श्रृंखला एवं सड़क सुरक्षा शपथ'' कार्यक्रम आयोजन कराने के निर्देश दिये गये थे, जिसके अनुपालन में जनपद के पुलिस लाइन परिसर में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं, एन0सी0सी0, यातायात पुलिस, स्काउड गाइड, होमगार्ड, पुलिस विभाग के सिपाही एवं परिवहन विभाग के कार्मिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित समस्त लोगों का जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में बताया गया एवं सड़क सुरक्षा की शपथ दिलायी गयी। उन्होने कहा कि नेता जी के जन्मदिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व और परिवहन विभाग के टीम के द्वारा सड़क सुरक्षा जीवन सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूकता रैली युवाओं के द्वारा निकाली जा रही है। उन्होने रैली में प्रतिभाग करने वाले युवाओं, शिक्षकों और जनपदवासियों से कहा कि यातायात के नियमों का शत–प्रतिशत पालन करे।पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने पर बल दिया गया। सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु छात्रध्छात्रओं, एन0सी0सी0, यातायात पुलिस, स्काउड गाइड, होमगार्ड पुलिस विभाग के सिपाही एवं परिवहन विभाग के कार्मिकों द्वारा मानव श्रृंखला के रूप में रैली निकालते हुए लाइन बाजार से कलेक्ट्रेट तिराहा, अम्बेडकर तिराहा, गांधी तिराहा होते हुए ए0आर0टी0ओ0 कार्यालय तक मानव श्रृंखला बनायी गयी। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अम्बस्ट, पुलिस अधीक्षक (नगर) अरविन्द वर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर आयुष श्रीवास्तव, सी0ओ0 सदर, देवेश सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), सत्येन्द्र कुमार सिंह, यात्रीधमालकर अधिकारी प्रमोद कुमार, यातायात निरीक्षक सुशील मिश्रा एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लालगंज अतरैला टोल प्लाजा पर करोड़ो का घोटाला, एसटीएफ ने तीन को पकड़ा ऐसे करते थे वसूली

वाराणसी, (संवाददाता)। लखनऊ मुख्यालय की एसटीएफ टीम ने अतरैला टोल प्लाजा पर छापेमारी कर करोड़ों रुपये के बड़े घोटाले का खुलासा किया है। एसटीएफ ने मामले में तीन टोलकर्मियों को गिरफ्तार कर लालगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमा दर्ज कराकर एसटीएफ आरोपियों को लेकर चली गई। माना जा रहा है कि लगभग 120 करोड़ का घोटाला हुआ है। जिसका खुलासा एसटीएफ लखनऊ में करेगी। टोल पर होने वाली वसूली में अनियमितता की शिकायत पर एसटीएफ लखनऊ के निरीक्षक दीपक सिंह के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात छापेमारी की गई। जांच में सामने आया कि टोल प्लाजा पर सॉफ्टवेयर के जरिए टोल कलेक्शन की वास्तविक राशि छिपाई जा रही थी। सरकार को कम राजस्व दे रहे थे। मामले में एसटीएफ ने प्रयागराज के मेजा रानीपुर निवासी राजू मिश्रा, मध्य प्रदेश के सीधी मझौली कचवर निवासी मनीष मिश्रा और जौनपुर के सराय ख्वाजा निवासी आलोक कुमार सिंह को गिरफ्तार किया। 42 अन्य टोल प्लाजा पर भी बढ़ा है गड़बड़ी का दायरा एसटीएफ ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जांच में यह भी पता चला कि इस गड़बड़ी का दायरा केवल अतरैला टोल प्लाजा तक सीमित नहीं है। 42 अन्य टोल प्लाजा में भी इस तरह की अनियमितताओं की संभावना है। बताया कि आरोपियों ने खुद का सॉफ्टवेयर विकसित कर सरकारी राजस्व में करोड़ों रुपये की हेरफेर की। प्रारंभिक जांच में घोटाले का आंकड़ा करोड़ों रुपये तक पहुंचने की आशंका है। फिलहाल एसटीएफ मामले की गहन जांच कर रही है। अन्य टोल प्लाजा पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। इस बड़े घोटाले को लेकर टोल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। अतरैला टोल प्लाजा पर 120 करोड़ के घोटाला का अंदेशा है। एएसपी आपरेशन ओपी सिंह टोल प्लाजा पर अनियमितता की जांच करने एसटीएफ आई थी। शिकायत था कि टोलकर्मी कम राजस्व वसूली दिखा कर घोटाला कर रहे है। कितने का घोटाला है। इसकी जानकारी एसटीएफ दे सकेगी। टीम ने तीन लोगों को पकड़कर मुकदमा दर्ज कराया गया।

पूर्वांचल वासियों के लिए राहत, आईएमएस में 820 करोड़ खर्च कर बनाई जाएंगी एम्स जैसी सुविधाएं

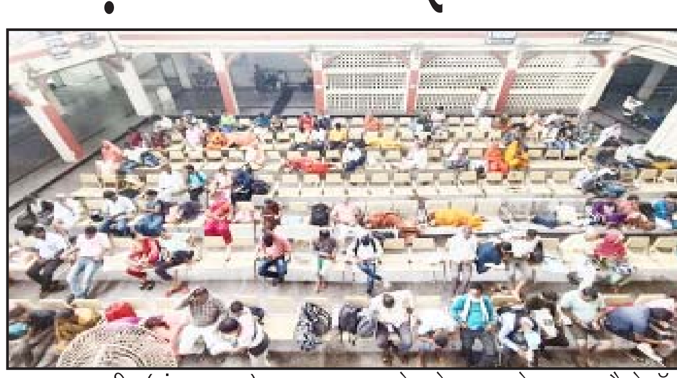

वाराणसी, (संवाददाता)। एम्स जैसी सुविधा के लिए आईएमएस बीएचयू को 820 करोड़ मिलेंगे। ऐसे में पहली बार मिलने वाले इतने बड़े बजट से इलाज, पैथोलॉजी जांच, सर्जरी की विश्व स्तरीय सुविधा मरीजों को मुहैया कराई जाएगी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसी सुविधा के लिए आईएमएस बीएचयू को 820 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सहमति बन चुकी है। इसका एलान आम बजट में संभव है। स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की मौजूदगी में सोमवार को नई दिल्ली में बैठक भी हो चुकी है। पहली बार मिलने वाले इतने बड़े बजट से आईएमएस बीएचयू में इलाज, पैथोलॉजी जांच और सर्जरी की व्यवस्थाएं विश्व स्तरीय बनाई जाएंगी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वी जयंती मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ समाज के सभी संगठनों के लोगो ने आज प्रातः 9 बजे संगत पंगत के राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट के मकान पर आजादी नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 128 वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई और विचार गोष्ठी हुई जिसे संबोधित करते हुए कायस्थ महासभा 7235 के कार्यकारी राष्ट्रीय अध

यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि भारतीय इतिहास में सुभाष चंद्र बोस सबसे महान व्यक्ति और बहादुर स्वतंत्रता सेनानी थे।श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति जौनपुर के संस्थापक अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव साधु ने कहा कि नेताजी का जन्म एक समृद्ध कायस्थ परिवार में 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक जिले में हुआ था।संगत पंगत राष्ट्रीय संगठन के महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट, ने कहा कि उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया और तुम मुझे खून दो मै तुम्हे आजादी दूंगा नारा भी नेताजी ने दिया।राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया।कायस्थ महासभा 7235 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आज देश की आजादी से सबसे बड़ा योगदान नेताजी का है। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिलाध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने कहा कि नेताजी ने 1920 में प्रशासनिक परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया था।ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल ने कहा कि 1921में इस्तीफा देकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े।कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू ने कहा कि वो जर्मनी गए और भारतीयों के मदद से भारतीय राष्ट्रीय सेना का गठन किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता कायस्थ महासभा 7235 विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने कहा कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार से लड़ने के लिए लगभग 40000 भारतीय के साथ 1943 में सेना का गठन किया।पूर्व बैंक अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नेता जी की मृत्यु का आज भी कोई प्रमाण नहीं है। उक्त अवसर पर कायस्थ महासभा 7235 के प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव फूफा, कायस्थ महासभा 7235 के युवा राष्ट्रीय सचिव गौरव श्रीवास्तव राजा, कायस्थ महासभा 7235 के राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार जिला उपाध्यक्ष अमर श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष संतोष निगम जिला उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट युवा जिला उपाध्यक्ष आर्यन श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव , कुंवर अस्थाना, जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव पत्रकार आदि लोगों ने विचार करते हुए अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया।

आरोपियों पर लगेगा गैंगस्टर, अलाउद्दीन से पूछताछ करेगी पुलिस

गोरखपुर, (संवाददाता)। डॉक्टरों की फर्जी डिग्री बनाने के मामले में आरोपरी अलाउद्दीन के कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पुलिस अब उसे रिमांड पर लेने की तैयारी में है। इसके लिए जरूरी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही पुलिस उसके पूरे गिरोह पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी कर रही है। इसके बाद आरोपियों की अवैध संपत्ति कुर्क कराई जाएगी। कुशीनगर के तमकुहीराज निवासी अलाउद्दीन ने सोमवार को न्यायालय में सरेंडर कर दिया। मई में उसपर डॉक्टरों की फर्जी डिग्री बनाने के आरोप में गुलरिहा थाने में केस दर्ज किया गया था। तभी से वह फरार था। उस पर पुलिस ने 25 हजार कर इनाम भी रखा था। पुलिस लगातार उसके कुशीनगर स्थित घर और अन्य ठिकानों पर दबिश दे रही थी, जिसके दबाव में उसने सरेंडर कर दिया। सोमवार शाम अलाउद्दीन पुलिस अभिरक्षा में जेल पहुंचाया गया। वहां मिलेनियम बैरक में उसे रखा गया है। दूसरे दिन ही कुशीनगर से दो युवक माजिद और मुमताज मुलाकात करने पहुंचे। वे अपने साथ कपड़े और कंबल भी लाए थे। सूत्रों की मानें तो अलाउद्दीन ने काफी देर तक दोनों से बातचीत किया। इसके बाद मुलाकात समाप्त होने पर वापस लौट गए। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि सभी आरोपियों पर गैंगस्टर लगाया जाएगा, प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूछताछ के लिए अलाउद्दीन को रिमांड पर लिया जाएगा।

अपार आईडी को लेकर 16 बीईओ को कारण बताओ नोटिस

गोरखपुर, (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से कड़े निर्देशों के बावजूद भी जिले में यू–डाइस से जुड़े स्कूलों के छात्रों के लिए अपार आईडी बनाने की प्रक्रिया बेहद धीमी है। मंगलवार को हुई ऑनलाइन बैठक में स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने जिले की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने 16 ब्लॉकों की स्थिति बेहद खराब होने पर नाराजगी व्यक्त की है। महानिदेशक ने लापरवाही को लेकर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। महानिदेशक की फटकार के बाद बीएसए रमेंद्र सिंह ने खराब प्रदर्शन करने वाले 16 ब्लॉकों के खंड शिक्षाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इन खंड शिक्षाधिकारियों को बुधवार तक अपार आइडी का कार्य शतप्रतिशत पूरा करने या कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।